खबर संक्षेप

26 मई को टेकरी वाले हजरत बाबा चाँदशाहवली रहमतुल्लाह अलैह का शाही संदल

मण्डला। हर साल की तरह इस साल भी टेकरी वाले हजरत बाबा चाँदशाहवली रहमतुल्लाह अलैह का उर्स मुबारक 26 मई 2025, सोमवार को है। 26 मई 2025, सोमवार को शाम 5 बजे संदल मड़ई भाटा दरबार से शहर गश्त करते हुए पोड़ी टेकरी दरगाह पहुंचेगा जहां मगरिब बाद दरगाह को ग़ुस्ल देकर चादर पेश की जायेगी। टेकरी वाले हजरत बाबा चाँदशाहवली रहमतुल्लाह अलैह (पोड़ी टेकरी) बाबा के चाहने वाले अकीदत मंद से दरगाह कमेटी की गुजारिश है अधिक संख्या में आकर बाबा के उर्स में अपनी हाजरी लगाएं।

एसडीएम मंडला ने किया नल जल योजना का निरीक्षण

मण्डला। एसडीएम मंडला श्रीमति सोनल सिडाम ने विकासखंड मंडला के ग्राम सागर में निर्माणाधीन महर्षि संदीपनी विद्यालय (सीएम राईज स्कूल) के भवन का जायजा लिया। साथ ही जल जीवन मिशन अंतर्गत ग्राम में संचालित नल जल योजना का भी निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि ग्राम में नियमित रूप से ग्रामीणों को शुद्ध पेयजल प्रदाय करें। भ्रमण के दौरान एसडीएम मंडला श्रीमति सिडाम ने ग्रामीणों से आग्रह किया कि समय समय पर पानी को उबालकर पीने एवं पानी की जांच करने के साथ-साथ पानी के उपचार करने की समझाइश दी। भ्रमण के दौरान लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग से एसडीओ श्री विनेश उईके, ग्राम पंचायत सरपंच, सचिव, नल चालक एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

एएनएमटीएसटी प्रवेश परीक्षा आवेदन की आखिरी तिथि 29 मई

मण्डला। एएनएम प्रवेश परीक्षा की तिथि 18 जून घोषित है जिसके लिए एमपी ऑनलाइन के माध्यम से आवेदन 29 मई 2025 तक लिए जाएंगे। जो भी छात्राएं 12वीं जीव विज्ञान से पास है वह आवेदन कर सकेंगी। अनुसूचित जाति अनुसूचित जनजाति एवं आर्थिक रूप से कमजोर परिवार की बालिकाओं को नर्सिंग कौशल कॉलेज बिछिया के द्वारा प्रवेश परीक्षा की तैयारी निशुल्क कराई जाएगी एवं उनके रजिस्ट्रेशन का खर्च भी वहन किया जाएगा।

शिक्षकों की कमी से जूझ रहे आदिवासी स्कूल

जनजातीय छात्रों के भविष्य पर संकट

*** पबिना अनुमति जारी हुई तैनाती।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

जिले के आदिवासी बहुल स्कूलों में पहले से ही शिक्षकों की भारी कमी है, ऐसे में शिक्षकों को गैर-शैक्षणिक कार्यों में लगाए जाने से शिक्षा व्यवस्था पर गहरा असर पड़ रहा है। हाल ही में जिला शिक्षा केन्द्र मंडला द्वारा 9 मई 2025 को जारी एक आदेश से नया विवाद खड़ा हो गया है। इसमें शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अहमदपुर के माध्यमिक शिक्षक अवनीत कुमार पटेल को नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के अंतर्गत जिला सह समन्वयक (साक्षरता) के रूप में पूर्णकालिक कार्य हेतु पदस्थ किया गया है। इस आदेश मे कलेक्टर के अनुमोदन का उल्लेख नही है, क्या अनुमोदन लिया गया है या नही? साथ ही, एक अन्य आदेश में उन्हें सहायक परियोजना समन्वयक (बालिका शिक्षा) के पद पर भी कार्य करने के निर्देश दिए गए हैं। जबकि ये विद्यालय जनजाति कार्य विभाग के अंतर्गत आता है, जिसमें जिला शिक्षा केन्द्र द्वारा की गयी पदस्थापना को लेकर जन चर्चा का बिषय बना हुआ है।

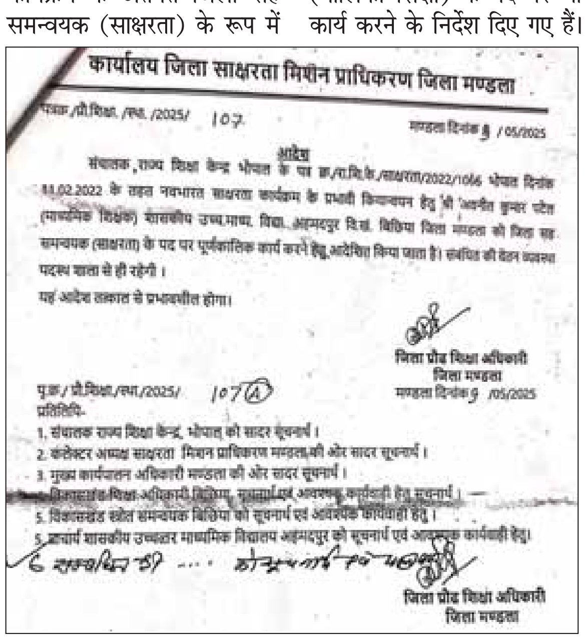
कार्यालय जिला साक्षरता मिशन प्राधिकरण जिला मण्डला

क्रमांक/प्रौ.शिक्षा./सा./2025/ 107 — मण्डला दिनांक 9 /05/2025

आदेश

संचालक, राज्य शिक्षा केन्द्र भोपाल के पत्र क्र./रा.शि.के./साक्षरता/2022/1066 भोपाल दिनांक 11.02.2022 के तहत नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु श्री अवनीत कुमार पटेल (माध्यमिक शिक्षक) शासकीय उच्च.माध्य. विद्या. अहमदपुर वि.खं. बिछिया जिला मण्डला को जिला सह समन्वयक (साक्षरता) के पद पर पूर्णकालिक कार्य करने हेतु आदेशित किया जाता है। संबंधित की वेतन व्यवस्था पदस्थ शाला से ही रहेगी।

यह आदेश तत्काल से प्रभावशील होगा।

जिला प्रौढ़ शिक्षा अधिकारी
जिला मण्डला

पृ.क्र./प्रौ.शिक्षा./सा./2025/ 107(A) — मण्डला दिनांक 9 /05/2025

प्रतिलिपि-
1. संचालक राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल को सादर सूचनार्थ।
2. कलेक्टर अध्यक्ष साक्षरता मिशन प्राधिकरण मण्डला की ओर सादर सूचनार्थ।
3. मुख्य कार्यपालन अधिकारी मण्डला की ओर सादर सूचनार्थ।
4. ~~विकासखंड शिक्षा अधिकारी बिछिया सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु सूचनार्थ।~~
5. विकासखंड स्रोत समन्वयक बिछिया को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु।
5. प्राचार्य शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अहमदपुर को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु।

जिला प्रौढ़ शिक्षा अधिकारी
जिला मण्डला

नियमों की अनदेखी, स्वीकृति नहीं ली गई

इन तैनातियों में विभागीय नियमों की स्पष्ट अनदेखी की गई है। 10 दिसंबर 2024 को आयुक्त, जनजाति कार्य विभाग, भोपाल मध्यप्रदेश द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार, शिक्षक संवर्ग का स्थानांतरण या संलग्नीकरण प्रतिबंधित है और इसके लिए विभाग की पूर्व अनुमति आवश्यक है। बावजूद इसके, यह आदेश बिना स्वीकृति के जारी किया गया, जिससे प्रशासनिक पारदर्शिता पर सवाल खड़े हो गए हैं।

एक संस्था से वेतन, दूसरी में कार्य

विवाद इस बात को लेकर भी है कि शिक्षक का वेतन पूर्व विद्यालय से दिया जाएगा जबकि कार्यस्थल जिला शिक्षा केन्द्र होगा। इससे वित्तीय व्यवस्था प्रभावित होने के साथ ही उत्तरदायित्व में भी असमंजस की स्थिति उत्पन्न हो रही है।

जनजाति कार्य विभाग को नहीं दी गई जानकारी

सूत्रों के अनुसार, यह तैनाती जनजाति कार्य विभाग की जानकारी या अनुमति के बिना की गई है, जबकि संबंधित विद्यालय इसी विभाग के अंतर्गत आता है। इससे यह स्पष्ट होता है कि प्रक्रिया में पारदर्शिता नहीं बरती गई। यहां यह प्रश्न उठना लाजमी है कि इन शिक्षकों को जब जनजाति कार्य विभाग की बिना जानकारी से जिला शिक्षा केन्द्र मे संलग्न या पदस्थ किया गया तो फिर द्वारा कैसे जनजाति कार्य विभाग से इन्हें कार्य मुक्त किया गया है जो जांच की ओर इशारा करता है।

शिक्षा व्यवस्था पर संकट, ग्रामीण क्षेत्र प्रभावित

ग्रामीण और आदिवासी अंचलों में पहले से ही शिक्षकों की भारी कमी है। ऐसे में जब स्थायी शिक्षकों को अन्य कार्यों में लगाया जाएगा तो शिक्षण व्यवस्था और अधिक चरमरा सकती है। यदि यही स्थिति बनी रही तो स्कूलों में स्थायी शिक्षकों के स्थान पर केवल अतिथि शिक्षक ही शेष रह जाएंगे।

जनप्रतिनिधियों की चुप्पी पर सवाल

मीडिया और सामाजिक संगठनों द्वारा बार-बार आवाज उठाने के बावजूद जनप्रतिनिधियों की चुप्पी चिंता का विषय है। इससे यह संकेत मिलता है कि इस प्रकार की तैनातियों को कहीं न कहीं मौन स्वीकृति प्राप्त है।

क्या होगी अगली कार्रवाई?

यह देखना अब शेष है कि जिला प्रशासन इस विवादास्पद आदेश को निरस्त करता है या नहीं। साथ ही, क्या आगे से नियुक्तियों में विभागीय नियमों और पारदर्शिता का पालन सुनिश्चित किया जाएगा?

इनका कहना है -

यह वैकल्पित व्यवस्था के तहत कलेक्टर साहब के अनुमोदन पर पदस्थापना की गयी है इस संबंध जनजाति कार्य विभाग से अनुमोदन नही लिया गया, उनका वेतन संबंधित शाला से निकलेगा।

-अरविंद विश्वकर्मा, डीपीसी मण्डला

इस संबंध मेरे को कोई जानकारी नही दी गयी ना ही जानकारी ली गयी।

-बीईओ बिछिया,

फ्लोटिंग सोलर प्लांट रद्द करने की मांग

*** मछुआरों का बचत सह राहत भुगतान दो वर्षों से लंबित।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

कल बरगी बांध के मछुआरों ने जलाशय में प्रस्तावित फ्लोटिंग सोलर प्लांट को रद्द करने की मांग को लेकर कलेक्टर मंडला के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा है। ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि नर्मदा नदी पर बने ओंकारेश्वर बांध में बनाए गए फ्लोटिंग सोलर प्लांट के कारण सैकड़ों मछुआरा मत्स्याखेट से वंचित हो गये हैं और भुखमरी के कगार पर आ गये हैं। बरगी जलाशय के 16 हजार हेक्टेयर में मत्स्याखेट कार्य किया जाता है और उसमें से 10 हजार हेक्टेयर में फ्लोटिंग सोलर प्लांट लगाया जाना प्रस्तावित है जिससे हजारों परिवारों के समक्ष आजिविका का संकट खड़ा हो जाएगा। बताया गया है कि नर्मदा नदी पर बने बरगी बांध से 162 गांव विस्थापित एवं प्रभावित हुआ है।इस बांध में हमारी जमीन और मकान सभी डूब गए थे।जिस समय बांध का निर्माण हो रहा था उस समय मध्यप्रदेश में कोई पुनर्वास नीति नहीं था, जिस कारण हमलोग आर्थिक पुनर्वास से वंचित रह गए। बरगी जलाशय निर्माण के बाद हमलोगों ने विस्थापितों की प्राथमिक मछुआरा सहकारी समिति बना कर मत्स्याखेट कार्य कर रहे हैं। विगत कुछ वर्षों से जलाशय में मत्स्य उत्पादन में लगातार गिरावट आ रही है। जिसके कारण मछुआरा रोजगार के लिए बाहर पलायन को बाध्य है।इस हेतु सरकार से वैज्ञानिक अध्ययन कराया जाने की मांग मछुआरों द्वारा किया जा रहा है। उपरोक्त स्थिति को देखते हुए मुख्यमंत्री से फ्लोटिंग सोलर प्लांट रद्द करने की मांग की गई है।

दूसरा ज्ञापन कलेक्टर को दिया गया है कि मंडला जिले के मछुआरों का 2023-24 का बचत सह राहत योजना का भुगतान नहीं हुआ है। जबकि 2024-25 का बचत सह राहत योजना के अन्तर्गत मछुआरों द्वारा जमा राशि का भुगतान होने का समय आ गया है।यह राशि 15 जून से 15 अगस्त जलाशय में मत्स्याखेट कार्य बंद रहने के दौरान दिया जाता है।यह योजना केवल बीपीएल धारक के लिए है।मछुआरा सदस्यों द्वारा बचत सह राहत योजना में 1500 रूपए जमा किया जाता है। इतनी ही राशि का अंशदान राज्य और केंद्र सरकार द्वारा किया जाता है, जो मिलाकर कुल 4500 रुपए प्रत्येक पात्र मछुआरों को भुगतना किया जाता है। इसके तत्काल भुगतान करने की गुहार कलेक्टर से की गई है।

ज्ञापन देते समय सुभाष बर्मन सिंगोधा, चेतराम पुसाम मोहगांव, मुन्ना बर्मन पिपरिया, रमेश कुमार नंदा किला वार्ड, दीनानाथ नंदा मानादेई, हीरा लाल चौधरी थांबर बांध,राम सेवक, बलराम नंदा, थामन बरमैया, राजू नंदा, मनोज बरमैया, शुभम बरमैया,रवि बरमैया,रामबाग आदि शामिल थे।

श्रेयांश कूमट ने रेशम धागाकरण इकाई और रेशम केंद्र देवदार का किया निरीक्षण, प्रगति का लिया जायजा

मण्डला। सीईओ जिला पंचायत श्रेयांश कूमट ने शनिवार को रेशम केंद्र देवदरा का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने रेशम उत्पादन और धागाकरण से संबंधित विभिन्न कार्यों की प्रगति का गहनता से जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान सीईओ कूमट ने रेशम कीट पालन की प्रक्रिया, कोकून से धागा निकालने की विधि और तैयार रेशम धागे की गुणवत्ता का बारीकी से अवलोकन किया। उन्होंने वार्षिक लक्ष्य के अनुसार उत्पादन बढ़ाने के निर्देश दिए। इस अवसर पर एसडीओ आदित्य पांडे सहित संबंधित उपस्थित थे।

सीईओ जिला पंचायत ने सीनियर आदिवासी बालक छात्रावास का निरीक्षण किया

मण्डला। सीईओ जिला पंचायत श्री श्रेयांश कूमट ने ग्राम खैरी में बनाए गए सीनियर आदिवासी बालक छात्रावास भवन का निरीक्षण किया। भवन में फर्नीचर एवं फिनीशिंग का कार्य किया जा रहा है, उपस्थित अधिकारियों से प्रगतिरत कार्यों की जानकारी लेते हुए उन्होंने कहा कि सभी कार्यों का बारीकि से निरीक्षण करें। भवन के पीछे की ओर बाऊँड्रीवॉल का निर्माण कराएं। आवास कक्षों में बनाई जा रही आलमारी एवं अन्य फर्नीचर की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दें। स्मार्ट क्लास रूम में बेहतर इलेक्ट्रीफिकेशन कराएं। विद्युत रूम को पूरी तरह कवर करें। बिल्डिंग के दोनों सिरों पर आवश्यकतानुसार रैनवाटर हार्वेस्टिंग स्ट्रक्चर बनाएं। भवन में लगाए गए इलेक्ट्रिक शॉकेट को सुरक्षित कराएं। निरीक्षण के दौरान एसडीओ श्री आदित्य पांडे, उपयंत्री श्री आशीष तिवारी एवं श्री उरमिलिया सहित संबंधित उपस्थित थे। सीईओ जिला पंचायत श्रेयांश कूमट ने नेवरगांव स्थित रेशम कृमिपालन केंद्र का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने केंद्र में चल रही कीट पालन की समस्त व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लिया। उन्होंने रेशम कीट पालन की प्रक्रिया, कीटों के स्वास्थ्य और उन्हें दिए जा रहे वातावरण का अवलोकन किया। सीईओ जिला पंचायत श्री कूमट ने केंद्र के भवन के रखरखाव को लेकर विशेष निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि भवन में आवश्यकतानुसार मेंटेनेंस भी कराएं।

शोसल मीडिया में वायरल हुआ मीडिया कर्मी व जुआ संचालक की बातचीत

*** कथित तौर पर बिछिया थाना का बताया जा रहा ऑडियो।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

कथित रूप से बिछिया थाना क्षेत्र अंतर्गत जुआ फड़ पर लेन देन का एक ऑडियो शोसल मीडिया में वायरल हो रहा है। जिसके बाद क्षेत्र में जुआ संचालन होने की बात सामने आ रही है। हालांकि ऑडियो कब का है और मीडिया कर्मी के अलावा किस व्यक्ति से बात हो रही है। यह जानकारी नहीं है। मामला पुलिस के संज्ञान में भी आया है। जिसकी पड़ताल की जा रही है। जानकारी के अनुसार ऑडिया में एक मीडिया कर्मी और जुआ फड़ संचालन के बीच बात हो रही है। जिसमें जुआ खिलवाने के एवज में 15 हजार से 8 हजार रुपए हप्ता लेने देने की बात चल रही है। ऑडिया में टीआई का भी जिक्र किया गया है। जिससे भी मीडिया कर्मी पेसा ले लेने की बात कही है। शोसल मीडिया में वायरल होने के बाद लोगों की तिखी प्रतिक्रिया देखने को मिली।

थाना प्रभारी धमेन्द्र धूर्वे का कहना है कि ऑडिया के शोसल मीडिया में सर्कुलर होने का मामला संज्ञान में आया है। ऑडिया कब का है और किन लोगों के बीच बात हो रही है। यह स्पष्ट नहीं है। बिछिया क्षेत्र में जुआ फड़ नहीं चलता है। जहां भी सूचना मिलती है तत्काल दबिश दी जा रही है।

बैठक

विकसित कृषि संकल्प अभियान में किसानों को मिलेगी उन्नत और आधुनिक कृषि की जानकारी।

विभागीय समन्वय से बनायें अभियान के लिए कार्ययोजना

*** टीमों का रूटचार्ट इस प्रकार तैयार करें कि ज्यादा से ज्यादा हाट बाजार कवर हों।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

शासन के निर्देश अनुसार जिले में 29 मई से 12 जून तक "विकसित कृषि संकल्प अभियान" चलाया जायेगा। इस अभियान के दौरान कृषकों को केन्द्र व राज्य सरकार की प्रमुख योजनाओं, कृषि वैज्ञानिकों द्वारा ईजाद की गई नवीन कृषि तकनीकों व नवाचारों की जानकारी दी जायेगी। यह जानकारी देने के लिये कृषि विज्ञान केन्द्र व अन्य संस्थाओं से जुड़े वैज्ञानिक एवं कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन, मत्स्य पालन व कृषि अभियांत्रिकी विभाग के अधिकारी व प्रगतिशील किसान गाँव-गाँव पहुँचेंगे। अभियान के संबंध में कलेक्ट्रेट के गोलमेज कक्ष में कृषि एवं अन्य संबंधित विभागों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में सीईओ जिला पंचायत श्री श्रेयांस कूमट ने उप संचालक कृषि को निर्देशित किया कि राज्य शासन के दिशा-निर्देशों के तहत जिले में इस अभियान को सुव्यवस्थित ढंग से आयोजित कर अधिकाधिक किसानों को लाभान्वित करायें। विभागीय समन्वय से अभियान के लिए कार्ययोजना बनायें। अभियान के क्रियान्वयन के लिये कृषि विज्ञान केन्द्र व संबद्ध विभाग के जिला स्तरीय अधिकारियों से समन्वय कर ग्रामवार कार्यक्रम का निर्धारण करें। उन्होंने कहा कि कृषि आधारित योजनाओं व कार्यक्रमों की वीडियो क्लिपिंग तैयार कर अभियान के दौरान किसानों को दिखाएं। साथ ही अभियान के दौरान किसानों को खरीफ मौसम में उगाई जाने वाली फसलों से संबंधित आधुनिक व उन्नत तकनीक तथा कृषि योजनाओं के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दें। उन्होंने निर्देशित किया कि टीमों का रूटचार्ट इस प्रकार तैयार करें कि ज्यादा से ज्यादा हाट बाजार कवर हों ताकि अधिक से अधिक किसानों तक जानकारी पहुँचाने में हम सफल हों। सीईओ जिला पंचायत ने कहा कि अभियान के दौरान प्राकृतिक खेती व फसल विविधीकरण को बढ़ावा देने के प्रयास भी प्रमुखता से किया जाए। इस अवसर पर उप संचालक कृषि श्रीमती मधुअली, कृषि वैज्ञानिक कृषि विज्ञान केंद्र सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

आपरेशन मुस्कान बालिकाओं की सकुशल बरामदगी - पुलिस को मिली सफलता

मण्डला। थाना बम्हनी बंजर, जिला मंडला के अंतर्गत माह फरवरी 2025 में दर्ज नाबालिक बालिका की गुमशुदगी के प्रकरण में थाना बम्हनी बंजर पुलिस ने बालिका को सांगली महाराष्ट्र से दस्तयाब कर परिजनो के सुपुर्द करने मे सफलता प्राप्त हुई है। ज्ञात हो कि पुलिस मुख्यालय द्वारा नाबालिको की तलाश हेतु ऑपरेशन मुस्कान विशेष अभियान चलाया जा रहा हैं। जिसके अंतर्गत पुलिस टीम द्वारा गुम नाबालिक बालक के दस्तयाबी के निरंतर व हरसंभव प्रयास किये जा रहे है। अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) नैनपुर के मार्गदर्शन में गठित बम्हनीबंजार पुलिस टीम द्वारा तकनीकी विश्लेषण, मुखबिर सूचना एवं मैदानी तफ्तीश के माध्यम से बालिका के संबंध मे जानकारी प्राप्त होने पर विशेष टीम द्वारा सतत प्रयास कर उक्त नाबालिक बालिका को महाराष्ट्र राज्य के सांगली शहर से सकुशल दस्तयाब कर उनके परिजनों के सुपुर्द किया गया। इस महत्वपूर्ण उपलब्धि में थाना प्रभारी बम्हनीबंजर सहित गठित टीम के सभी सदस्यों का योगदान सराहनीय रहा।

दो मोटर साईकिल की टक्कर हो जाने से 4 घायल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

मंडला के थाना बिछिया क्षेत्र में खलौड़ी रैयत गाँव मेन रोड पर दो मोटर साईकिल की टक्कर हो जाने से 04 व्यक्ति घायल हो गए है, पुलिस सहायता की आवश्यकता है। सूचना राज्य स्तरीय पुलिस कंट्रोल रूम डायल-112/100 भोपाल में दिनाँक 23-05-2025 को शाम 06:30 बजे प्राप्त हुई। सूचना प्राप्ति पर तत्काल बिछिया थाना क्षेत्र में तैनात डायल-112/100 वाहन को मदद के लिए रवाना किया गया।

डायल-112/100 स्टाफ आरक्षक हेमंत सिंह एवं पायलेट सुनील नागर ने मौके पर पहुँचकर बताया कि दो मोटर साईकिल की टक्कर हो जाने से 04 व्यक्ति घायल हो गए थे। डायल-112/100 जवानों ने सभी घायलों को एफ़ आर व्ही वाहन से ले जाकर बिछिया अस्पताल में भर्ती करवाया जहाँ घायलों का उपचार किया जा रहा है।

खबर संक्षेप

ओवर लोडिंग वाहनों से आये दिन घटित हो रही सड़क दुर्घटनाएं

हरिभूमि न्यूज/सालीचौका। जिस प्रकार से क्षेत्र की सड़को पर अनेक वाहन लगातार ओवर लोडिंग सबारी भरकर दौड़ रहे है उसका ही परिणाम है कि आये दिन घटित होने वाली सड़क दुर्घटनाओं लोगों की जान खतरे में पड़ने नही चूक रहे है, मगर इसके बाद भी पुलिस प्रशासन द्वारा इस सच्चाई को नजर अंदाज किये जाने से ओवर लोडिंग करने वालों के हौसले लगतार बुलंद होते हुए देखे जा रहे है। जबकि सच्चाई पर गौर किया जावे तो बीते हुए कुछ समय पहले पुलिस मुख्यालय द्वारा दिये गये आदेश के चलते संपूर्ण प्रदेश में यातायात सप्ताह चलाते हुए इस प्रकार से मनमानी करने वाले वाहन चालकों पर अंकुश लगाने की कार्यवाही करने के आदेश दिये गये थें और इस आदेश का पालन करने में क्षेत्र की पुलिस द्वारा मात्र औपचारिकता निभाते हुए छोटे मोटे वाहनों के खिलाफ अपनी कार्यवाही का डंडा घूमते हुए पूर्ण कर दिया गया है जिसके चलते क्षेत्र की सड़कों पर आये दिन मौत का सायरन बजाते हुए ओवर लोड वाहन जहां तहां नजर आने से नही चूक रहे है..?

बच्चों ने थामा बल्ला, पुराने खेल भूल रहे लोग

हरिभूमि न्यूज/ बारहाबड़ा। इस समय चल रही ग्रीष्म कालीन अवकाशों के चलते बच्चों को जिस प्रकार से खेल मैदानों में बल्ला लेकर खेलते हुए देखा जा रहा है उसके चलते शहरों से लेकर गांव तक क्रिकेटमय होते हुए दिखाई देने लगी है। वही गौर किया जावे तो हमारे देश के गांवों के पुराने व पारस्पारिक खेल जहां सस्ते और सुलभ हुआ करते थें। वही ऋतुओं पर आधारित यह खेल स्वास्थ्य और शिक्षाप्रद भी हुआ करते है। किन्तु आधुनिक युग मे इन पास्पारिक खेलों का स्थान महंगे खेलों ने ले लिया है। आवश्कता है सुलभ पारंपारिक खेलों की ओर लौटने की क्योकि पारंपारिक खेल अपेक्षाकृत व्यक्तित्व विकास का सशक्त माध्यम होते है,हमारी माटी से जुड़े ऐसे ही अनेको खेलों व प्रासंगिता और लाभ का विस्तृत विश्लेषण किया गया है। हमारी परम्पराओं से जुडे अनेक खेल गिल्ली डण्डा, गपोनी, कबड्डी, छिपा छिपी, अडी धप्प, आदि खेलों के लाभ और इनके जीवन से जुडाव को उजागर किया गया है। इन पांरपरिक खेलो को शरीर एवं मस्तिष्क विकास का सशक्त माध्यम बताते हुये बताया गया है कि पूर्व के समय मे यह खेल अधिकांशतः कम उम्र के बच्चों द्वारा खेला जाता था,

योजनाओं के नाम लोगों की समस्याएं जहां की तहां?

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। गैर सरकारी संगठनों का अब एक मात्र उद्देश्य पैसा कमाना होता हुआ जान पड़ रहा है? यदि देखा जावे तो सरकार भी इन गैर सरकारी संगठनों को दिल खोलकर धन मुहैया कराती जा रही है? लेकिन सरकार द्वारा जिन उद्देश्यों के लिए इन संगठनों को पैसा दिया जाता है, वह उन उद्देश्यो को भूलकर अपनी जेबो को भरने में लगे हुए देखे जाते है? इन गैर सरकारी संगठन व स्वंय सेवी संस्थाओ को विभागों की तरफ से भारी भरकम रकम अनुदान के रूप में सामाजिक कार्यो के क्रियान्वयन के लिए दी जाती है,लेकिन इस राशि का उपयोग सही दिशा में नही हो पाता है,इन संगठनों व संस्थाओं द्वारा सारे काम कागजों पर चलते हुए देखे जाते है, इनमें कई संगठन और संस्थाएं तो सिर्फ कागजो पर चलते हुए जान पड रही है।

आखिरकार कुछ दिनों तक चिकित्सालय परिसर की शोभा बढ़ाने वाला रेडक्रास सोसाईटी का शव वाहन कहां हो गया गायब.., बगैर उपयोग में आये कबाड़ में तब्दील

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।

जब शासन व किसी संस्था द्वारा गरीबों का ध्यान रखते हुए किसी व्यवस्था का शुभारंभ किया जाता है तो निश्चित तौर से क्षेत्र की जनता के साथ साथ गरीब भी इस प्रकार से खुश होते है कि इस शासन की व्यवस्था का उन्हें किसी दिन जरूरत पड़ने पर लाभ जरूर मिलेगा..? मगर लोग हैरत में जब पड़ जाते है जब किसी शासकीय व्यवस्था को शुभारंभ होते हुये तो देखी जाती है। मगर जरूरत पड़ने पर वह गायब रहती है? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई बीते हुये लगभग 7-8 वर्ष पूर्व क्षेत्र में आये हुये रेडक्रास सोसाईटी के शव वाहन की सच्चाई को देखते हुये जान पड़ रही है...? जो काफी दिनों तक तो बगैर उपयोग किये हुये ही कबाड़ में तब्दील होने के बाद नगर के शासकीय चिकित्सालय की शोभा बढ़ाते हुये देखा जाता रहा था। मगर अब वहां से भी लोगों की आंखों से ओझल हो चुका है..? वही इस वाहन की सच्चाई पर गौर किया जावे तो जब उस वाहन की जरूरत महसूस की जाती है तो वह गायब नजर आता है? बीते हुये कुछ साल पहले कोरोना महामारी की दूसरी लहर के दौरान क्षेत्र की स्थिति इस तरह बन गई थी कि जब नगर के शासकीय चिकित्सालय में मौत का मंजर चल रहा था और लोगों को अपने घरों या फिर अन्य जगहो पर शव ले जाने के लिये परेशान होना पड़ रहा था उस दौरान भी यह शव वाहन गायब आ रहा था और वही हाल इस समय भी देखने मिल रहा है। यह बात अलग है कि पहले कुछ दिनों तक यह वाहन शासकीय चिकित्सालय की शोभा बढ़ाने के बाद अखिरकार बगैर उपयोग किये हुये कहा गायब हो गया शायद ही किसी का पता हो..? इस तरह लगभग 7-8 वर्ष पहले नगर में आया हुआ रेडक्रास सोसाईटी के शव वाहन का गायब होना चर्चा का विषय बना हुआ है..? ज्ञात हो कि नगर के शासकीय चिकित्सालय में उपचार कराने के लिये आने वाले मरीजों की जब किसी कारण वस मौत हो जाती है तो उनके परिजनों को अपना शव घर ले जाने के लिये काफी परेशानियों का सामना करने के लिये मजबूर होना पड़ता है। जिसमें सबसे अधिक परेशानी तो उन गरीबों को झेलने पड़ती है जिनके पास पैसा का आभाव रहने के दौरान जब अपने परिवार के सदस्य की मौत होने पर यदि उसके शव को अपने घर या फिर गांव ले जाना होता है तो निश्चिह वाहनों के माध्यम से ले जाने के लिये उनके पास कोई राशि नही होती है। इस स्थिति के बीच क्षेत्र के लोगों द्वारा गाडरवारा में शव वाहन की मांग उठाई जा रही थी और इसी मांग को ध्यान में रखते हुये लगभग 7-8 वर्ष पूर्व रेड क्रास सोसाईटी द्वारा 8 जनवरी 2016 को एक शव वाहन उपलब्ध कराया गया था, जिसका लोकापर्ण नगर के विश्राम गृह में तत्काकालीन जिला कलेक्टर नरेश पाल सहित अन्य लोगों द्वारा फीता काटने के साथ साथ हरी झंडी दिखाते हुए किया गया था। मगर यह शव वाहन का लोकापर्ण के समय से ही चर्चाओं का विषय बनने से नही चूक पा रहा था। क्योंकि रेडक्रास सोसाईटी द्वारा प्रदान किये गये इस शव वाहन के दर्शन नगर के लोगों द्वारा मात्र अखबारों में प्रकाशित हुई फोटों के माध्यम से ही करने के बाद अचानक वाहन के गायब हो जाने के कारण चर्चा का विषय बनते हुये देखा जाने लगा था। बताया जाता है कि लोकापर्ण के बाद काफी समय तक यह शव वाहन जहां एक शासकीय कार्यालय में इस प्रकार से छिपाकर रख दिया गया था जिसके चलते गरीबों को इस वाहन का लाभ मिलने की बात तो दूर से दर्शन मिलना तक दुर्लभ हो चुके था। इस दौरान शायद ही किसी गरीब के उपयोग में आया हो....? क्योंकि आमजन को इस बात की जानकारी ही नही थी कि जरूरत पड़ने पर इस वाहन को कहा से प्राप्त किया जावेगा। मगर जब इस सच्चाई को नगर के पत्रकारों द्वारा लगातार उजागर किया गया था तो संबंधित विभाग से जुडे हुये लोगों द्वारा इस रेडक्रास सोसाईटी के शव वाहन को शासकीय चिकित्सालय परिसर में लाकर खड़ा कर दिया गया था। इस प्रकार से अपने लोकापर्ण से काफी समय तक आमजन की पहुंच से दूर रहे इस शव वाहन की स्थिति इस प्रकार से बन चुकी थी कि वह एक पुराने वाहन का रूप धारण करने में कोई कसर नही छोड़ रहा था? क्योंकि वाहन में अनेक जगहों से हुई टूट फूट वाहन की सच्चाई पर अनेक प्रकार के सबाल खड़े करने से नही चूक पा रही थी? क्योंकि जब इस शव वाहन आज तक किसी के उपयोग में आया ही नही है और उसकी स्थिति इस तरह कंडम बन गई थी कि वह खुद ही शव के समान नजर आने से नही चूक रहा था? इस तरह लगभग 7-8 साल पहले रेडक्रास सोसाईटी द्वारा प्रदान किया गया है यह शव वाहन कई महिनों तक नगर के शासकीय चिकित्सालय की शोभा बढ़ाते हुये देखे जाने के बाद फिर जिस तरह नजर से ओझल देखा जा रहा है उसके चलते लोगों द्वारा अनेक प्रकार की चर्चाएं करने से नही चूक पा रहे है? जबकि सच्चाई पर गौर किया जावे तो इस समय यदि वह वाहन सुरक्षित स्थिति में होता तो निश्चित तौर यह वाहन क्षेत्र के गरीबों के लिये काफी हद तक मददगार बनने से नही चूकता। क्षेत्रवासियों द्वारा जिम्मेदार अधिकारियों से मांग की गई है कि कुछ दिनों तक नगर के शासकीय चिकित्सालय परिसर की शोभा बढ़ाते हुये अचानक गायब हो चुके रेडक्रास के शव वाहन की खोज करना चाहिये तथा उसको आमजन के लिये सेवाएं प्रदान कराने के लिये उपलब्ध कराने की जरूरत है। यदि वह शव वाहन आ जाता है तो निश्चित ही क्षेत्र के लोगों को इस वाहन के माध्यम से काफी लाभ मिल सकता है।

गांव की बेटी ने लोक सेवा आयोग की परीक्षा में सफलता प्राप्त करते हुये हासिल किया सहायक प्राध्यापक का पद

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। कहा जाता है कि अनेक गांवों में इस तरह की प्रतिभाये छिपी हुई कि जब उन्हें अवसर प्राप्त होता है तो उभरकर सामने आने से नही चूकती है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई समीपस्थ ग्राम जमाड़ा आदिवासी छात्रा कुमारी राधा गौड़ में देखने मिली है जिसने मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग की एमपीपीएससी द्वारा आयोजित परीक्षा में सफलता हासिल करते हुये अपने साथ साथ अपने गांव को नाम रोशन किया गया है। बताया जाता है कि मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग एमपीपीएससी द्वारा आयोजित सहायक प्राध्यापक परीक्षा 2022 का फाइनल परीक्षा परिणाम विगत दिवस घोषित किया गया है जिसमें समीपस्थ ग्राम जमाड़ा निवासी आदिवासी छात्रा कुमारी राधा बाई गौड़ का चयन हुआ है। ज्ञात हो कि उक्त पद की पूर्ति के लिए सहायक अध्यापक (इतिहास)परीक्षा 2022 बीते हुये वर्ष यानि की 9 जून 2024 को आयोजित की गई थी। वही आयोग द्वारा लिखित परीक्षा परिणाम 25 सितम्बर 2024 को घोषित किया गया। उक्त परीक्षा में पास आवेदकों का साक्षात्कार 17 फरवरी 2025 से 21 फरवरी 2025 तक आयोजित होने के उपरांत बीते हुये 23 मई 2025 को मुख्य चयन परीक्षा परिणाम जारी किया गया है। जिसमे कुमारी राधा गोंड़ का चयन उच्च शिक्षा विभाग में इतिहास विषय के सहायक प्राध्यापक पद पर चयन हुआ है। ज्ञात हो कि बिटिया राधा स्वर्गीय हुकुमचंद ठाकुर की पुत्री है इस तरह अपने पिता का कोरोना काल के दौरान अल्पायु में निधन होने के बाद भी बेटी ने जिस लग्न के साथ इस परीक्षा की तैयारिया की गइर उसका परिणाम सामने है। क्योंकि अपने पिता के निधन उपरांत राधा बाई अपने ग्राम जमाडा से लगभग एक किलोमीटर की दूरी पर खेत पर अपनी मां दादी भाई-बहन चाचा चाची के साथ निवास करते हुये तैयारी में जुटी हुई थी। इस तरह के सभी संघर्षों को झेलते हुए घर पर बिना किसी कोचिंग के सहारे संपूर्ण शिक्षा सरकारी स्कूल में हुई उसके उपरांत बिटिया कुमारी राधा ने न केवल अपने परिवार का नाम रोशन किया अपितु समस्त आदिवासी समाज सहित ग्राम व क्षेत्र का नाम रोशन किया है।

एनटीपीसी द्वारा नगर के रेल्वे स्टेशन पर स्वच्छता पखवाड़ा के तहत की गई साफ सफाई, कचरे की सच्चाई ने रेल विभाग के स्वच्छता अभियान की खोली पोल

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। समीपस्थ चीचली क्षेत्र में स्थापित एनटीपीसी द्वारा प्रभावित ग्रामों के लोगों को समय समय पर अनेक प्रकार की योजनाओं का लाभ प्रदान करते हुये देखे जाते है। वही दूसरी ओर हर साल स्वच्छता पखवाड़ा चलाते हुये जहां तहां साफ सफाई अभियान की छेड़ा जाता है। इसी प्रकार से बीते हुये दिवस नगर के रेल्वे स्टेशन पर एनटीपीसी द्वारा अपने स्वच्छता पखबाड़ा अभियान के तहत बडे स्तर पर साफ सफाई की गई। इस तरह एनटीपीसी द्वारा रेलवे स्टेशन परिसर सहित प्लेट फार्मो पर की गई साफ सफाई के दौरान जिस प्रकार से कचरे का अम्बार निकलते हुये दिखाई दे रहा है। वही निश्चित तौर से रेल विभाग की स्वच्छता व्यवस्था पर सबाल खड़े करने से नही चूक रहा है..? क्योंकि साफ सफाई के नाम पर रेल विभाग द्वारा हर रेलवे स्टेशन पर लाखों रूपया खर्च कर रहा है। मगर इसके बाद भी इस तरह कचरे का अम्बार लगा होना निश्चित तौर रेल विभाग की सफाई व्यवस्था की पोल खोलने में कोई कसर नही छोड़ रहा है। वही दूसरी ओर बताया जाता है कि एनटीपीसी गाडरवारा द्वारा नगर के रेलवे स्टेशन पर स्वच्छता पखवारा अभियान के तहत साफ सफाई का आयोजन किया गया। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य स्टेशन परिसर और उसके आस पास के क्षेत्रों को स्वच्छ और सुरक्षित बनाना है। इस अभियान के दौरान एनटीपीसी गाडरवारा के कर्मचारियों और अधिकारियों ने इस अभियान में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और स्टेशन के विभिन्न हिस्सों की सफाई की गई। इस स्वच्छता अभियान के दौरान स्टेशन के प्लेट फार्म, प्रतीक्षालय, सीढ़ियों और अन्य सार्वजनिक स्थलों की सफाई की गई। वही कर्मचारियों ने सफाई के साथ-साथ यात्रियों को स्वच्छता के महत्व से अवगत कराते हुये जागरूक भी किया। इस दौरान प्लास्टिक के कचरे को अलग करके उसका उचित निपटान किया गया और यह सुनिश्चित किया गया कि स्टेशन परिसर कचरा मुक्त और स्वच्छ बना रहे। बताया जाता है कि इस अभियान के तहत सभी ने यह शपथ ली गई कि स्टेशन को साफ-सुथरा रखने हेतु 100 लोगों को प्रेरित करना और लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करना है। एनटीपीसी गाडरवारा द्वारा इस पहल को स्थानीय जनता और यात्रियों ने सराहा और इसके सकारात्मक परिणाम सामने आने की उम्मीद जताई। स्वच्छता अभियान के अंत में एनटीपीसी के अधिकारियों ने कहा कि इस तरह की गतिविधियों से न केवल रेलवे स्टेशन साफ रहेगा, बल्कि लोगों में स्वच्छता की आदत भी विकसित होगी, जिससे पूरे समाज को लाभ होगा।

नगर में जहां तहां विक्रय हो रही मांस मछली के अवैध कारोबार के चलते नगर में फैल रही गंदगी

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।

भले ही नगर पालिका द्वारा मांस मछली विक्रय करने के लिये जगह निर्धारित की गई है। मगर इसके बाद भी लोगों द्वारा नगर में जहां तहां खुलेआम मांस मछली का विक्रय करते हुये देखा जा रहा है जिसके चलते नगर का वातावरण तो प्रदूषित हो ही रहा है साथ ही साथ लोगों की धार्मिक भावनाओं को भी ठेंस पहुंचने से नही चूक रही है? इस प्रकार से मांस मछली विक्रय करने वालो की मनमानी पर अंकुश न लग पाना नपा प्रशासन की अनदेखी कही जावे या फिर पुलिस प्रशासन की उदासीनता को भी उजागार करने से नही चूक रही है..? जिसके चलते इस प्रकार से नगर में धडल्ले से जहां तहां हो रहे मांस मछली के विक्रय से नगर में गंदगी फैलने के साथ साथ लोगों की धार्मिक भावनाओं को ठेंस पहुंचने से भी नही चूक रही है? क्योंकि इस प्रकार से मांस मछली सहित अंडे का व्यापार करने वाले लोगों द्वारा न तो नगर के मंदिरों का ध्यान रखा जा रहा है और न ही शिक्षण संस्थाओं का जिसके चलते लोगों में इस प्रकार से खुलेआम बिक रहे मांस मछली के विक्रय को लेकर आक्रोश देखने मिल रहा है? इस प्रकार से धडल्ले से विक्रय होने वाले मांस मछली की सच्चाई इस समय नगर की पानी टंकी सहित सहित अन्य स्थानों पर देखने मिल रही है। बताया जाता है कि पानी टंकी के पास जहां नगर का एक मात्र गायत्री मंदिर स्थित है वही हनुमान मंदिर के साथ साथ शिक्षण संस्था भी स्थापित है, मगर इसके बाद भी यहां पर प्रतिदिन शाम के वक्त जहां खुलेआम मछली विक्रय होते हुये देखी जा रही है वही अनेक मांस की दुकाने भी संचालित हो रही है, इस स्थिति में जब कोई व्यक्ति मंदिर जाता है तो उसे सबसे पहले इस प्रकार से विक्रय होने वाली मांस व मछली पर नजर पड़ते हुये उसकी धार्मिक भावना को ठेस पहुंच रही है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई स्कूली बच्चों में भी देखने मिल रही है जिन्हें इस प्रकार खुलेआम विक्रय होने वाले मांस व मछली के चलते घृडा का शिकार होते हुये देखा जाता है। कुछ इसी प्रकार का हाल नगर के पलोटन गंज जाने वाले मार्ग पर देखी जा रही है जहां हनुमान मंदिर व आचार्य मंदिर से चंद कदम दूरी पर खुलेआम बिरयानी विक्रय का वोर्ड अपनी शोभा बढ़ाने से नही चूक रहा है, यही हाल नगर के अन्य स्थानों पर भी देखने मिल रहा है? इस प्रकार से निर्धारित स्थल के जगह नगर के प्रमुख व धार्मिक स्थलों के आसपास होने वाले मांस मछली विक्रय को लेकर न तो प्रशासन द्वारा कोई कदम उठाया जा रहा है और नही नपा प्रशासन द्वारा जिसके चलते नगर में खुलेआम गंदगी का महौल निर्मित होने से नही चूक पा रहा है। इस प्रकार से नगर की गलियों व धार्मिक स्थलों के आसपास होने वाले मांस मछली विक्रय पर अंकुश लगाने की मांग की जा रही है।

लगातार चैकिंग होने के बाद भी इन पर क्यों नहीं लग पा रहा है अंकुश

हरिभूमि न्यूज/सालीचौका। इस बात से इंकार नही किया जा सकता है कि पुलिस प्रशासन द्वारा आये दिन वाहनों की चैकिंग करते हुये चालाना कार्यवाही तो की जा रही है मगर चैकिंग दौरान वाहनों में क्या जांच करते हुये कार्यवाही की जाती है यह चर्चा का विषय बना हुआ है? जबकि गौर किया जावे तो किसी भी वाहन में कंपनी द्वारा निर्धारित किये गये हार्न के आलवा अन्य दूसरे प्रकार का हार्न लगा पाया जाना नियम के विरूद्ध माना जाता है जिस पर कार्यवाही का प्रावधान होने के बाद भी पुलिस द्वारा इन्हे नजर अंदाज किया जाना पुलिस द्वारा की जाने वाली चालानी कार्यवाही पर सबाल खड़े करने से नही चूक रहा है? क्योंकि देखा जावे तो इस समय दो पहिया से लेकर चार पहिया वाहनों मे प्रेशर हार्न का चलन आम नागरिकों के लिये परेशानी का सबब बन रहा है। जो कान फोड़ू आवाज वाले इन प्रेशर हार्न से कई बार राह चलते लोग भौचक रह जाते है तथा कभी कभी अपना संतुलन खो देते है,मोटर साईकिल,आटों व अन्य छोटे बड़े वाहनों यहां तक कि ट्रक आदि चार पहिया वाहनों मे इन दिनों तेज आवाज वाले प्रेशर हार्न लगाने का फैशन सा चल पड़ा है। लेकिन प्रेशर हार्न से राह गुजरते लोगों को कई बार दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। अक्सर देखा जाता है कि जब एक ओर इन प्रेशर हार्नो की वजह से अधिक शोरगुल होता है। वही दूसरी ओर कई बार राह चलने वाले इन तेज आवाज वाले हार्न से भौजक रह जाते है और कभी कभार अपना संतुलन भी खो बैठते है। दप्तरों के कर्मचारी भी परेशान-आम नागरिकों के अलावा आफिस दप्तरों मे काम कर रहे कर्मचारी अधिकारी भी इन तेज आवाज के प्रेशर हार्न से विचालित हो जाते है,अनायास ही उनका ध्यान इन प्रेशर हार्न की ओर जाता है जिसके कारण उनके काम पर भी बुरा असर पड़ता है। वही नगर की प्रमुख सड़क के किनारे स्थित शासकीय चिकित्सालय में भर्ती मरीजों को भी इन हार्नो के चलते परेशानियों से गुजरना पड़ता है। वही स्कूलों में पढ़ने वालें बच्चों की स्थिति तो और खराब ही रहती है। युवा वर्ग मे अधिक क्रेज-प्रेशर हार्न और स्टाईलिश हार्न का क्रेज युवा वर्ग मे अधिक है जो फर्राटे भरते हुए अपने दो पहिया वाहनों मे तेज आवाज और स्टाईलिश वाहनों का इस्तेमाल करते है। शौकिन युवा वर्ग ऐसे मंहगे प्रेशर हार्न को अपने वाहन मे लगाना अपनी शान समझते है तथा सुबह पांच बजे से ही अपने वाहनों में लगे इन हार्नो को सड़कछाप मंजनुओं की तरह स्कूल व कोचिंग तथा टियूशन जाने वाली छात्राओं के आगे पीछे घूमकर उन्हें परेशान करने लगते है। ट्रको मे भी होते है इस्तेमाल- दो पहिया वाहनों के अलावा लम्बी दूरी के सफर करने वाल ट्रकों मे भी प्रेशर हार्न का प्रयोग किया जा रहा है, प्रतिदिन सैकड़ों की संख्या में कोयला भरकर यहां के स्कूलो, थाना व कचहेरी के सामने से गुजरते है। कुल मिलाकर इन तेज आवाज वाले कानफोड़ू स्टाईलिश प्रेशर हार्न मे जहां कोलाहल बढ़ रहा है वही आम नागरिकों को कई बार दिक्कतों का सामना भी करना पड़ रहा हे। अतः नगरवासियों द्वारा पुलिस प्रशासन से कानफोड़ू हार्न वालें वाहनों पर कार्यवाही की मांग की गई है।

इस तरह की लापरवाही देती है बड़ी घटनाओं को अंजाम, अधिकारियों की अनदेखी का परिणाम भोगती है आम जनता

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। जहां एक ओर बिजली विभाग द्वारा क्षेत्र के किसानों से बिजली बिलों की बसूली को लेकर तो अपना पूरा जोश लगाया जा रहा है, मगर वही दूसरी ओर क्षेत्र के फैली बिजली लाईनों के सुधार कार्य से लेकर उनके रख रखाब में इस प्रकार की उदासीनता बरती जाती है कि जहां तहां झूलते हुए बिजली तारों से निकलने वाली आग की चिंगारियों से किसानों के खेतों में जहां खड़ी हुई फसले जलकर खाक हो जाती है या फिर बिजली से लगने वाले करेन्ट के कारण लोगों को बेमौत काल के गाल में समाने के लिए मजबूर होना पड़ता है..? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस क्षेत्र में अनेक जगहों पर देखने मिल रही है जहां पर बिजली विभाग के उदासीनता के चलते मुख्य मार्गो पर झूलते हुए बिजली तारों की स्थिति इस प्रकार से बनी हुई है कि कभी भी कोई बड़ी घटना घटित होने की संभावना से इंकार नही किया जा सकता है? बताया जाता है कि क्षेत्र के किसानों द्वारा अपनी सुरक्षा के लिए अपने स्तर पर लकड़ी के खम्बा लगाते हुए व्यवसथा बनाई गई है जिसके चलते क्षेत्र की बिजली सिर्फ लकड़ी के खम्बों भरोसे चलते हुए जान पड़ रही है? इस बात की सच्चाई इस समय ग्रामीण क्षेत्रों में देखने मिल रही है जहां पर बताया जाता है कि किसानों के लिए बनी हुई सार्वजनिक रास्ते के ऊपर बिजली तार इस प्रकार से झूलते हुए नजर आ रहे है कि उन तारों से कभी भी कोई वाहन टकरा सकता है, इस बात की जानकारी बिजली विभाग के बड़े अधिकारियों से लेकर छोटे कर्मचारियों को होने के बाद भी किसी भी प्रकार का सुधार नही किये जाने से इस बात का अंदेशा लग रहा है कि शायद बिजली विभगा के अधिकारी क्षेत्र में कोई बड़ी घटना घटित होने का इंतजार कर रहे है?

अतिक्रमण कर सरकारी जमीन में बनाई गई थी झोपडियां

26 झोपड़ियों पर चला प्रशासन का बुलडोजर

डिण्डौरी

जिला मुख्यालय पुरानी डिण्डौरी सब्जी मंडी तालाब के पीछे बेस कीमती जमीन पर किए गये अतिक्रमण को हटाने की कार्रवाई शुक्रवार को की गई । राजस्व के साथ नगर परिषद और पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में 26 झोपडों को जेसीबी मषीन से ढहाया गया । कार्रवाई के दौरान लोगों ने विरोध जताते हुये आरोप लगाया कि प्रषासन द्वारा दो तरह की कार्रवाई की जा रही है । जहां एक और गरीबों का आषियान जेसीबी से उजाडा जा रहा है, वहीं सरकारी नाले को पाट कर किए गए अतिक्रमण पर कार्रवाई नहीं की जा रही है । आरोप प्रत्यारोप के बीच प्रषासन की कार्रवाई शाम तक जारी रही । बताया गया कि पिछले 6 माह से लगातार छोटी-छोटी झोपडी बनाकर संबंधित जमीन में कब्जा किया जा रहा है । कब्जा करने वाले अधिकांष लोग ग्रामीण अंचलों के थे । तहसीलदार डिण्डौरी की मौजूदगी में यह कार्रवाई जारी रही । समझाइष देने के साथ पुलिस बल भी वहां से हटाने में जुटा रहा ।

सरकारी नाला को पाट दिया था

बताया गया कि संबंधित जमीन कृषि विभाग की थी । एक तरफ निजी कालोनी विकसित की गई है, और दूसरी तरफ की जमीन में यह अतिक्रमण कर लिया गया था । बीच से सरकारी नाले का बहाव होता है । लोगों का आरोप है कि कालोनी क्षेत्र से भी नाले को पाट कर कब्जा किया गया है और बीच में बडी टीन शेड की दीवार खडी कर दी गई है । इस मामले में पटवारी से चर्चा के दौरान कहा गया कि कुछ कालोनी तरफ से भी नाले की जमीन में कब्जा हुआ है । उसकी जॉच कर कार्रवाई की जाएगी । गौरतलब है कि सब्जी मंडी की पीछे स्थित तालाब की भूमि में भी भू-माफियाओं ने कब्जा किया है । इसकी भी निष्पक्ष तरीके से नपाई कर अतिक्रमण हटाने की मांग की जा रही है। संबंधित तालाब में मलवा पाटकर जमीन को हथियाने का प्रयास लंबे समय से किया जा रहा है ।

अतिक्रमण हटाने किया गया था नोटिस जारी

कार्रवाई के दौरान नगर परिषद का अमला भी पूरे समय मौजूद रहा । ट्रेक्टर में भरकर तोडी गई झोपडियों की लकडी भी ले जाई गई । बताया गया कि जिस तरह की झोपडी बनी थी, उसमें ऐसा नहीं लग रहा था कि लोग रह सकते हैं । जमीन हथियाने के लिए यह कब्जा किया जा रहा था । बारिष के दौरान यहां समस्या और बढ सकती थी । तहसीलदार न्यायालय से अतिक्रमणकारियों को पहले ही नोटिस जारी किया गया था । बताया गया कि अपने से कब्जा न हटाने पर प्रषासन ने यह कार्रवाई की है । कार्रवाई के दौरान कुछ झोपडी में महिलाएं अपने बच्चों को लेकर घुस गई और अतिक्रमण हटाने का विरोध करती रही । किसी तरह उन्हें बाहर निकाल कर झोपडी तोडी गई । बताया गया कि संबंधित जमीन में तार से फेंसिंग कराई जाएगी, ताकि दूसरी बार अतिक्रमण न हो सके । इस कार्रवाई के दौरान बडी संख्या में लोगों का जमावडा भी यहां लगा रहा ।

खबर संक्षेप

मोहम्मद वाजिद के खिलाफ पशु तस्करी एवं आर्म्स एक्ट का मामला दर्ज

हरिभूमि न्यूजकोतमा। थाना अंतर्गत एक दशक से क्षेत्र में पशु तस्करी का पर्याय बन चुके मोहम्मद वाजिद 30 वर्ष पिता मोहम्मद अखलाक के ठीहे से हाल में ही लोड पिस्टल एवं मवेशी तस्करी करते पाए जाने पर पशु तस्करी एवं आर्म्स एक्ट का मामला दर्ज किया गया था। आरोपी रात के अंधेरे का फायदा उठाकर भाग गया। जिसकी तलाश में पुलिस जुटी हुई है। शातिर अपराधी के विरुद्ध अनूपपुर एवं शहडोल जिला के कई थानों में मामले दर्ज होने एवं लगातार पशु तस्करी में लिप्त होकर बड़ा नेटवर्क स्थापति कर लिया गया। लगातार अपराधिक गतिविधियों को देखते हुए पुलिस द्वारा जिला बदर की कार्यवाही भी पेश की गई है। आरोपी के खिलाफ नए मामले में ट्रक में 33 टन संदिग्ध चोरी का कोयला पाए जाने एवं मोटर व्हीकल एक्ट का मामला दर्ज किया गया है। बताया जाता है कि मोहम्मद वाजिद का ट्रक क्रमांक सीजी 31 ए 8090 जिसमें संदिग्ध रूप से 33 टन कोयला लोड होकर हाइवे में स्थित ढाबे के पास ग़लत तरीक़े से खड़ा कर रखा गया है। सूचना पर थाना प्रभारी द्वारा पुलिस टीम को भेजते हुए वाहन को जप्त कर कार्यवाही की गई। मौके पर किसी प्रकार के वैध दस्तावेज नहीं पाए गए। मामले में आरोपी मोहम्मद वाजिद 30 वर्ष पिता मोहम्मद अखलाक के खिलाफ धारा 106 बीनएसएस एवं 122/177 मोटर व्हीकल एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया। कार्यवाही में थाना प्रभारी रत्नांभर शुक्ला, एएसआई सुरेश अहिरवार, महेश साहू, अभय त्रिपाठी, शुभम तिवारी सहित अन्य पुलिस स्टाफ शामिल थे।

अचानक बदला मौसम का मिजाज

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। जिले के मौसम का मिजाज बदला हुआ है, एक ओर गर्मी और लू ने लोगों को बेहाल कर रखा है, तो दूसरी ओर बारिश का भी दौर जारी है। मौसम विभाग के अनुसार, वेस्टर्न डिस्टर्बेंस के सक्रिय होने के कारण बारिश का दौर शुरू हो गया है, जिससे गर्मी में कमी आई। शनिवार को सुबह से ही आसमान खुला था दोपहर तक तेज धूप निकलने के साथ ही भीषण गर्मी से लोगों का हाल बेहाल हो रहा था लू के थपेड़ो के कारण कम लोग ही घरों से निकल रहे थे। भीषण गर्मी के कारण पंखे कूलर भी काम नहीं कर रहे थे वही शाम 4 बजे तेज बारिश होने के कारण नगर की सड़कों मे जल भराव हो गया जिसके बाद एक बार फिर से फिजा ने मौसम में ठंडक घोल दी।

लेखनी को और धारदार बनाने पत्रकारों ने लिया प्रशिक्षण

राष्ट्रीय श्रमजीवी पत्रकार परिषद द्वारा आयोजित किया कार्यक्रम

प्रशासनिक अधिकारियों समेत विद्वानों ने पत्रकारों का बढाया ज्ञानकोष

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। लोकतंत्र में पत्रकारिता को विशिष्ट सम्मान प्राप्त है पत्रकार अपनी लेखनी के माध्यम से समाज को नई दिशा देने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करें, पत्रकार समाज का आईना होता है उक्ताशय के विचार पुलिस अधीक्षक मोती उर रहमान ने राष्ट्रीय श्रमजीवी पत्रकार परिषद जिला इकाई अनूपपुर द्वारा आयोजित पत्रकारिता का बदलता स्वरूप और चुनौतियां विषय पर धनश्री पैलेस अनूपपुर के सभागार में आयोजित एक दिवसीय पत्रकार प्रशिक्षण 2025 के कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कही। इस अवसर पर अपर कलेक्टर दिलीप कुमार पाण्डेय, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मो इसरार मंसूरी, नगर निरीक्षक अनूपपुर अरविंद जैन, विलोक पाठक प्रदेश संगठन महासचिव अनुरोध पटेरिया, संभागीय अध्यक्ष चैतन्य मिश्रा, जिला अध्यक्ष अमित शुक्ला राष्ट्रीय समाचार पत्रों के स्तंभकार तथा राज्य स्तरीय अधिमान्य पत्रकार ऋृतुपर्ण दवे, नगर परिषद डूमरकछार के अध्यक्ष पत्रकार सुनील चौरसिया, ईगांराजजाविवि अमरकंटक के प्रोफेसर डॉ.विकास सिंह, संकल्प ग्रुप आफ कॉलेज के निर्देशक अंकित शुक्ला सहित जिले के विभिन्न अंचलों के पत्रकार उपस्थित थे। संचालन वर्षा प्रजापति ने किया सहयोग में अंकिता शुक्ला एवं पूजा पनिका रहीं।

पुलिस अधीक्षक ने साइबर बचाव के लिए किया सजग

पुलिस अधीक्षक ने कहा कि पत्रकारिता में किसी घटना क्रम पर खबर छपने के पहले उनके विभिन्न पहलुओं का ध्यान रखना भी आवश्यक है। घटना क्रम को देखने की दृष्टि एक पक्षी ना होकर बहुपक्षी होना चाहिए जिससे सटीक और सही जानकारी समाचार के माध्यम से रखी जा सके। भारतीय ने संहिता में स्वतंत्रता के अधिकार के तहत जो स्वतंत्रता प्राप्त है उसके परिभाषा को ध्यान रखना जरूरी है किसी की स्वतंत्रता बाधित न हो इसका विशेष ध्यान रखा जाना चाहिए उन्होंने बदलते दौर में सोशल मीडिया के प्रचलन की बात करते हुए कहा कि अपनी निजी जानकारी को सोशल मीडिया में शेयर करने से कई बार खतरा उत्पन्न हो जाता है जिससे साइबर अपराध की संभावना भी बढ़ जाती है। साइबर सुरक्षा के बचाव के लिए हमें सजग रहना होगा।

क्रेशर सचांलक के विरुद्ध मामला दर्ज

मामला क्रेशर में फंसकर नाबालिग मजदूर की मौत

डिंडौरी

कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम लुकामपुर में स्थित जय भवानी क्रेशर में फंसकर नाबालिग मजदूर की बीते माह में मौत हो गई थी। मर्ग जांच के बाद पुलिस ने जय भवानी क्रेशर सचांलक के विरुद्ध अपराध दर्ज कर लिया गया है। 26 अप्रेल 2025 को मर्ग कायम किया गया था। जाँच के दौरान प्रार्थी मनीष बनवासी, लता बाई, क्रेशर मशीन आपरेटर रामकरण, जेसीबी आपरेटर अयोध्या सिंह ठाकुर व क्रेशर के मैनेजर हिमांशु पाण्डे के कथन लेख किए गए।

अपने अपने कथन में उन्होंने मृतक लकी बनवासी को क्रेशर में काम न करना केवल पिता मनीष को खाना देने क्रेशर में आना एवं क्रेशर में घूमने के दौरान क्रेशर सचांलक भारत सिंह ठाकुर द्वारा क्रेशर मशीनो को उपेक्षा पूर्वक रखने, क्रेशर मशीन व उसके आसपास सुरक्षा साधनो के व्यवस्था न करते हुये लापरवाही बरतने से दिनांक 26 अप्रैल 2025 की सुबह करीब 08.30 बजे मृतक लकी बनवासी के क्रेशर मशीन के पट्टे में आ जाने से दुर्घटनावश आई चोटो के कारण मृत्यु होना बताया है। पीएम रिपोर्ट में मृतक लकी बनवासी की मृत्यु लीवर फटने से आंतरिक रक्त स्त्राव व बाई भुजा अलग होने से बाहरी रक्त स्त्राव से होना बताया गया है। घटनास्थल के निरीक्षण में क्रेशर संचालक भारत ठाकुर द्वारा क्रेशर व क्रेशर मशीन के आसपास सुरक्षा साधन फेसिंग आदि नही करना, मशीनो को उपेक्षा पूर्वक खुला रखना पाया गया। मर्ग जाँच, प्रार्थी व गवाहो के कथन, घटनास्थल का निरीक्षण व मृतक की पीएम रिपोर्ट के आधार पर जय भवानी क्रेशर सचांलक भारत सिंह ठाकुर पिता सुमेर सिंह उम्र 45 साल निवासी लुकामपुर के विरुद्ध बीएनएस की धारा 289,106(1) का अपराध कायम कर विवेचना में लिया गया। गौरतलब है कि फरियादी मनीष बनवासी पिता जीवनलाल बनवासी उम्र 40 साल निवासी ग्राम लुकामपुर ने रिपोर्ट दर्ज कराया था कि मैं ग्राम लुकामपुर निवासी भारत ठाकुर का ट्रेक्टर चलाता हूं। मेरा बडा लडका लकी बनवासी उम्र करीब 15 साल 09 माह ने कक्षा नवमी तक पढाई किया है, उसके बाद पढाई छोड दिया है। लकी भारत ठाकुर के ही गिटटी क्रेशर लुकामपुर मे काम करने के लिये जाता था। 26 अप्रैल 2025 को भी सुबह करीब 07 बजे लकी बनवासी भारत ठाकुर के क्रेशर मे काम करने के लिये गया था। करीब 10 बजे मेरे पास भारत ठाकुर के क्रेशर मे काम करने वाला नबाबी ने फोन लगाकर बताया कि तुम्हारा लडका लकी बनवासी गिटटी क्रेशर के पटटे मे फंसकर खत्म हो गया है। खबर सुनकर मैं क्रेशर पहुंचकर देखा तो लकी बनवासी गिटटी क्रेशर के पटटे के नीचे फंसा हुआ था। पटटे मे फसकर लडके का बाया हाथ कंधे के पास से अलग हो गया था। पटटे मे फसने के कारण लडके का चेहरा वगैरह पिचक गया था। लकी बनवासी खत्म हो गया था। मेरे लडके लकी बनवासी की भारत ठाकुर की लुकामपुर स्थित गिटटी क्रेशर में काम करते समय गिटटी क्रेशर के पटटे मे फसने से मौत हो गयी है।

बाल कल्याण समिति के द्वारा जिला जेल का भ्रमण

डिंडोरी। बाल कल्याण समिति डिण्डौरी द्वारा शुक्रवार को जिला जेल का भ्रमण किया गया। भ्रमण कार्यक्रम अंतर्गत जेल बंदीगृह में बंदियों से संपर्क करके बंदियों के ऐसे बालक बालिका जो शिक्षा, भोजन और जीवन यापन की जरूरतों से वंचित हैं, अभावग्रस्त है उनकी जानकारी प्राप्त की गई। इस अवसर पर बाल कल्याण समिति की अध्यक्ष माधुरी बिलैया, सदस्य श्रीमती आभा तिवारी, नागेन्द्र चैरसिया, रामेंद्र तिवारी, ने उनके बेहतर भविष्य तथा आगामी प्रयासों को लेकर जेल अधीक्षक लवसिंह काटिया से चर्चा की जेल अधीक्षक ने इस संबंध में जेल प्रशासन द्वारा बाल कल्याण समिति को वांछित सहयोग प्रदान करने की बात कही, बाल कल्याण समिति की जिला इकाई ने जिला जेल की महिला बैरक में जाकर महिला बंदियों से भी संपर्क करके उनके अवयस्क बच्चों की जानकारी हासिल की इस अवसर जेल प्रशासन ने बाल कल्याण समिति को संपर्क में पूर्ण सहयोग प्रदान किया।

सांदीपनि विद्यालय में समर कैंप का हुआ समापन

बच्चों ने दिखाया प्रतिभा का जादू

डिंडौरी। जिला मुख्यालय के समीपी संचालित मॉडल विद्यालय सांदीपनि शासकीय मॉडल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय ग्राम धनुवासागर डिंडोरी में 1 मई से 20 मई 2025 तक आयोजित समर कैंप का समापन सांस्कृतिक कार्यक्रम और प्रदर्शनी के साथ हुआ । समर कैंप की थीम सीखें सृजन करें एवं समाज से जुड़ें था, जिसके अंतर्गत विद्यार्थियों ने रचनात्मकता कलात्मकता और जीवन कौशल का अद्भुत प्रदर्शन किया। इस समर कैंप के दौरान विद्यार्थियों ने मिट्टी और क्ले से मूर्तियाँ पोस्टर आर्ट, ड्राइंग-पेंटिंग, सिनेरी, कहानी व निबंध लेखन, गायन-वादन, मेंहदी डिजाइन, सलाद रेसिपी और वेस्ट मटेरियल आर्ट जैसी अनेक गतिविधियों में अपनी प्रतिभा दिखाई। पारंपरिक खेलों के साथ-साथ शतरंज कैरम बैडमिंटन सांप-सीढ़ी और लूडो जैसे खेलों का आयोजन हुआ। वहीं योगाभ्यास को भी नियमित दिनचर्या में शामिल किया गया। हर दिन की गतिविधियाँ एक थीम पर केंद्रित रहीं हैं। जैसे संस्कृति के रंग हमारी विरासत हमारी पहचान भावनाओं की समझ, आत्मविश्वास की राह जिनके माध्यम से लोककला, पारंपरिक नृत्य, क्षेत्रीय संगीत, चित्रकला और रंगमंच से जुड़े कौशलों को बढ़ावा दिया गया। इस पूरी प्रक्रिया में नोडल शिक्षकों की महत्त्वपूर्ण भूमिका रही, जिनमें क्षमा पाण्डेय, रंजना गवले रविन्द्र सिंह तेकाम लक्ष्मण भवेदी, नम्रता लोमेश सौरभ यादव विनय बिल्थरे और मनीष कुमार सोनी जैसे समर्पित शिक्षक शामिल रहे। विद्यालय के प्राचार्य जे.एस. मरकाम के नेतृत्व में आयोजित इस समर कैंप का उद्देश्य विद्यार्थियों में 21वीं सदी के जीवनोपयोगी कौशल जैसे टीमवर्क नेतृत्व तार्किकता समस्या समाधान और सामाजिक-सांस्कृतिक चेतना का विकास करना रहा। इसके साथ ही डिजिटल और वित्तीय साक्षरता जैसे विषयों को भी विद्यार्थियों तक पहुंचाया गया। कैंप के समापन समारोह में स्थानीय ग्रामीण क्षेत्र के पालकगण, शिक्षक-शिक्षिकाएं और छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर कक्षा 12वीं के छात्र अहम रजक ने मंच संचालन किया जबकि कैंप प्रभारी नम्रता लोमेश ने आभार प्रदर्शन किया। कु. प्रिया बरौतिया को स्टार ऑफ दी समर कैंप घोषित किया गया। समर कैंप विद्यार्थियों के समग्र विकास की दिशा में एक सार्थक पहल साबित हुआ, जिसने न केवल उनकी प्रतिभा को निखारा, बल्कि उन्हें समाज से जुड़ने और अपने अंदर छिपे आत्मविश्वास को जगाने का भी अवसर प्रदान किया।

कृष्णपाल मरावी सैनिक स्कूल रीवा के लिए चयनित

डिण्डौरी

सुभाषचंद्र बोस अंग्रेजी माध्यम स्कूल के मेधावी छात्र कृष्णपाल मरावी ने आल इंडिया सैनिक स्कूल के एंट्रेंस एग्जाम 2025 में सफलता हासिल की है परीक्षा में विशेष योग्यता प्राप्त करने के साथ ही छात्र रीवा सैनिक विद्यालय के लिए चयनित किया गया है छात्र की इस उपलब्धि पर उसके माता पिता विद्यालय प्रबंधन,व इष्ट जनो ने प्रसन्नता जाहिर करते हुए शुभकामनाएं दी है। ज्ञातव्य हो कि पूरे मध्यप्रदेश में मात्र एक ही सैनिक स्कूल रीवा में स्थित है जहां पर विद्यार्थी का चयन होना माता ,पिता के लिए गौरवान्वित करने वाला है अपनी इस उपलब्धि का श्रेय छात्र ने माता विद्या मरावी, पिता महेश मरावी एवं स्कूल के शिक्षकों को दिया है छात्र के पिता वन परिक्षेत्र सामान्य बजाग में वनरक्षक के पद पर अपनी सेवा दे रहे है वही माता ग्रहणी है छात्र के अनुसार एस सी बी स्कूल से पांचवीं की पढ़ाई करते हुए उसने निःशुल्क कल्याण कोचिंग के माध्यम से दक्ष शिक्षक ब्रजेश बरखाने,एवं शिवमंगल मरावी के द्वारा विद्याध्ययन प्राप्त किया ।इसके अलावा छात्र ने अपने घर में प्रतिदिन सुबह शाम तीन ,तीन घंटे पढ़ाई की है गौरतलब है कि सैनिक स्कूल में चयन होने से पूर्व छात्र जबलपुर के एकलव्य आवासीय विद्यालय के लिए श्रेणी 1 के साथ भी चयनित हो चुका था छात्र की इस सफलता में सुभाषचंद्र बोस स्कूल के प्राचार्य ईश्वरदास पड़वार,सहित शिक्षको का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा है

मोटरसाइकिल से गिरकर युवक हुआ घायल

डिंडौरी। कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम कनईसांगवा में मोटरसाइकिल से गिरकर युवक घायल हो गया, जिसे उपचार हेतु जिला चिकित्सालय में दाखिल कराया गया है। जिला चिकित्सालय चैकी पुलिस को दिए कथन में शिवम बिलागर पिता संतोष बिलागर उम्र 22 साल निवासी कनईसांगवा ने बतलाया कि शुक्रवार की रात मै मोटरसाइकिल से ग्राम देवरी से अपने घर आ रहा था। रात करीबन 11 बजे ग्राम कनईसांगवा में सीसी रोड में मोटरसाइकिल अनियंत्रित हो गई, जिससे मै गिरकर घायल हो गया। सिर, कंधा, आंख, हाथ में चोट लगी है।

मोटर साइकिल अनियंत्रित होने से गिर कर एक मासूम सहित युवक हुआ घायल

डिंडौरी। कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम खरगहना एवं बिझौरी के बीच मेन रोड में मोटरसाइकिल अनियंत्रित होने से गिरकर युवक घायल हो गया। घायल युवक को उपचार हेतु जिला चिकित्सालय में दाखिल कराया गया है। जिला चिकित्सालय पुलिस चैकी को दिए कथन में आशीष मरावी पिता जीवन सिंह उम्र 20 साल निवासी ग्राम बिझौरी ने बतलाया कि मै शुक्रवार को अपने बड़े भाई की मोटरसाइकिल से खरगहना गया था। वापस घर जाते समय रात करीबन 7.30 बजे ग्राम खरगहना एवं बिझौरी के बीच मेन रोड में मोटरसाइकिल के सामने एक गाड़ी आ गई, जिससे भिड़ने से बचाया तो एक गाय बीच में आ गई, जिससे मेरी मोटरसाइकिल अनियंत्रित हो गई एवं मैं मोटरसाइकिल समेत गिरकर घायल हो गया। दुर्घटना में मेरे सिर, हाथ, पैर में चोट लगी है। मेरे साथ मोटरसाइकिल में बैठी राधिका उम्र 10 साल को भी चोट आई है।

टेंडर नहीं होने से आंगनबाडी कार्यकर्ता को ही देना पडता है पोषण आहार परिवहन खर्चा

डिंडौरी। जिले में लंबे समय से आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को गोदाम से पोषण आहार की ढुलाई का खर्च खुद व्यय करना पड़ रहा है। कार्यकर्ताओं को हर महीने परियोजना कार्यालय डिंडौरी से पोषण आहार लेने के लिए आना जाना पड़ता है। जनपद डिंडौरी अंतर्गत ग्राम विक्रमपुर की आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सीमा टाडिया के अनुसार उन्हें एक तरफ का किराया 40 रुपए देना पड़ता है। इसके अलावा प्रति बोरी 20 रुपए ऑटो चालक को भी देना पड़ता हैं। सामग्री ले जाने का पूरा खर्च कार्यकर्ताओं को ही देना पड़ता है। महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला अधिकारी श्याम सिंगौर ने बताया कि डिंडौरी जिले में मेहंदवानी, समनापुर, अमरपुर, डिंडोरी, बजाग, करंजिया और शहपुरा परियोजना में कुल 1925 आंगनवाड़ी और मिनी आंगनवाड़ी केंद्र हैं। शासन ने पोषण आहार परिवहन की दर 100 रुपए प्रति क्विंटल से बढ़ाकर 150 रुपए कर दी है। विभाग ने तीन बार परिवहन के लिए टेंडर निकाला, लेकिन कोई भी ठेकेदार ने टेंडर नहीं भरा। वर्तमान में कार्यकर्ताओं को सेक्टर की बैठक के दौरान पोषण आहार ले जाने को कहा जाता है। विभाग एक बार फिर टेंडर निकालने की पहल कर रहा है। श्री सिंगौर ने बताया कि यदि इस बार भी कोई परिवहनकर्ता नहीं मिलता है, तो परियोजना स्तर पर स्थानीय वाहन मालिकों की मदद से पोषण आहार का परिवहन कराया जाएगा।

घर में सीढ़ी से गिरकर युवक हुआ घायल

डिंडौरी

जिले के शाहपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम नचुनका निवासी युवक घर में सीढ़ी से गिर जाने से घायल हो गया, उसे उपचार हेतु जिला चिकित्सालय में दाखिल कराया गया है। अस्पताल चैकी पुलिस को दिए कथन में चरण सिंह परस्ते पिता लालमन परस्ते उम्र 20 साल निवासी ग्राम नचुनका ने बतलाया कि शुक्रवार की शाम मै घर की छत पर जा रहा था। शाम करीबन छह बजे छत पर जाने के लिए सीढ़ी चढ़ते समय सीढ़ी पर पानी पड़े होने से पैर फिसल जाने में मै गिर गया, जिससे मेरे बाएं पैर में घुटने के नीचे फ्रैक्चर हो गया है। परिवार के लोग मुझे उपचार के लिए जिला चिकित्सालय लेकर आए है।

कार की टक्कर से मोटर साइकिल सवार दो हुए घायल

डिंडौरी। जिले के शाहपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम गोरखपुर में कार की टक्कर से मोटरसाइकिल सवार दो लोग घायल हो गए, दोनों घायल को उपचार हेतु जिला चिकित्सालय में दाखिल कराया गया है। अस्पताल चैकी पुलिस को दिए कथन में धरम सिंह पिता रूप सिंह मरावी उम्र 55 साल निवासी ग्राम छिंदगांव ने बतलाया कि शुक्रवार को मै अपने साला मनोहर पट्टा के साथ मोटरसाइकिल क्रमांक एमपी 52 एमडी 5842 से ग्राम गोरखपुर से अपने घर छिंदगांव जा रहा था। मोटरसाइकिल मनोहर पट्टा चला रहा था, मैं पीछे बैठा था। दोपहर करीब 1.30 बजे ग्राम गोरखपुर में बंधान के पास पहुंचने पर शाहपुर तरफ से आ रही एक लाल रंग की कार के चालक ने लापरवाही पूर्वक हमारी मोटरसाइकिल को सामने से टक्कर मार दी एवं ग्राम तलाशी की तरफ भाग गया। दुर्घटना में हम दोनों मोटरसाइकिल समेत गिर गए। रास्ते से आने जाने वाले ने हमें उठाया और 100 डायल को फोन कर बुलाया, जिससे हम दोनों को सरकारी अस्पताल डिंडौरी लाकर भर्ती कराया गया है। दुर्घटना में मुझे दाहिने पैर में चोट लगी है। मनोहर पट्टा की भी चोटें आई है और वह बेहोश है।

खबर संक्षेप

श्री गणेश की मूर्ति का स्थापना समारोह आज

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। नरसिंह मंदिर में पंचमुखी बीजापूर भगवान श्री गणेश की मूर्ति के स्थापना के 25 मई को दो वर्ष पूर्ण होने पर स्थापना वर्षगांठ मनाई जाएगी। श्री देव नरसिंह मंदिर ट्रस्ट के अनुसार आज 25 मई को प्रातः 8:30 बजे से भगवान श्री गणेश का अभिषेक अर्चन, शाम 7 बजे महाआरती, प्रसाद वितरण एवं रात 8 बजे से भजन संध्या होगी। कार्यक्रमों में सभी से उपस्थिती ,सहयोग एवं सहभागिता की अपील श्री देव नरसिंह मंदिर ट्रस्ट, जाट युवा मोर्चा, श्री मित्र गणेश मंडल ने की है। विदित हो कि 25 मई 2023 को द्वारकाशारदापीठाधीश्वर जगद्गुरू शंकराचार्य स्वामी श्री सदानन्द सरस्वती जी महाराज के सानिध्य और मार्गदर्शन में आयोजित प्राण प्रतिष्ठा समारोह में नरसिंह मंदिर में भगवान श्री गणेश जी की पंचमुखी मूर्ति की स्थापना हुई थी।

सफलता के मंत्र एक दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस संघ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित सिविल सेवा परीक्षा 2024 में मध्यप्रदेश के चयनित अभ्यर्थियों को आमंत्रित कर सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों से संवाद हेतु मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मुख्य आतिथ्य एवं मंत्री उच्चशिक्षा इन्दरसिंह परमार की अध्यक्षता में एक दिवसीय कार्यक्रम सफलता के मंत्र का आयोजन कुशाभाउ ठाकरे सभागार भोपाल में किया गया। सफलता के मंत्र कार्यक्रम का सीधा प्रसारण प्रधानमंत्री कॉलेज आफ एक्सीलेंस स्वामी विवेकानंद शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के बर्चुअल कक्ष में विद्यार्थियों हेतु किया गया। इस प्रसारण के माध्यम से प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे विद्यार्थी प्रेरित हुए। प्रसारण उपरांत संस्था प्राचार्य डॉ. आर. बी. सिंह ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए परीक्षा की तैयारी हेतु महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की, साथ ही उनका ध्यान इस ओर आकर्षित किया कि बहुत से चयनित अभ्यर्थी आपकी तरह ही सामान्य पारिवारिक पृष्ठभूमि के है। अत उनकी सफलता से प्रेरणा लेते हुए विद्यार्थियों को भी पूरी मेहनत व लगन से तैयारी करनी चाहिए। डॉ. अमित ताम्रकार ने विद्यार्थियों से सिविल सेवा परीक्षा के स्वरूप, पाठयक्रम व विभिन्न चरणों पर चर्चा की। इस दौरान महाविद्यालय आई.क्यू.ए. सी. समन्वयक डॉ. सतीश दुबे, डॉ. आलोक तिवारी, एस. एल. चैधरी, डॉ. गनेश कुमार सोनी, डॉ. गजराज सिंह मर्सकोले महाविद्यालय के क्रीडा अधिकारी अर्पित सक्सेना स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ. प्रभृति सेन व छात्र छात्राऐं उपस्थित रहे।

विविध प्रतियोगिताओं का हुआ आयोजन

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। भारतीय जनता पार्टी के द्वारा पुण्यश्लोका देवी अहिल्याबाई होल्कर की 300वी जन्म जयंती के उपलक्ष्य मे चलाए जा रहे हैं विभिन्न कार्यक्रमों की श्रृंखला में शासकीय श्याम सुंदर नारायण मुशरान महिला महाविद्यालय नरसिंहपुर में देवी अहिल्याबाई होल्कर के जीवन पर आधारित भाषण, कविता एवं फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में भाग लेने वाली छात्राओं ने उनके जीवन चरित्र पर अपने-अपने विचार व्यक्त किये साथ ही छात्राओं के द्वारा देवी अहिल्याबाई की वेशभूषा में अपनी प्रस्तुतियां दी। उक्त अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में नगरपालिका अध्यक्ष नीरज दुबे विशिष्ट अतिथि पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष संध्या कोठारी महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष इंजीनियर निशा सोनी, महिला मोर्चा जिला उपाध्यक्ष एवं पार्षद सुषमा तिवारी, महिला मोर्चा जिला मंत्री एवं कार्यक्रम प्रभारी अंजली नेमा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रभारी प्रियंका गोस्वामी जिला कार्यालय मंत्री सरिता उमरे, मंडल उपाध्यक्ष ओमवती मालवीय सहित महाविद्यालय के प्राध्यापकों छात्राओं की उपस्थिति रही।

नदी पुनर्जीवन अभियान के अंतर्गत पद यात्रा में शामिल हुए मंत्री श्री पटेल

हमें पानी की एक-एक बूंद का सदुपयोग करना चाहिए

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। पंचायत एवं ग्रामीण विकास व श्रम मंत्री प्रहलाद सिंह पटैल नदी पुनर्जीवन अभियान के अंतर्गत मुरलीपौड़ी से सींगरी नदी के किनारे होते हुए समनापुर तक पद यात्रा में शामिल हुए। श्री पटेल ने कहा कि मैं नर्मदा का परिक्रमावासी नहीं होता तो यह मेरे दिमाग में विचार नहीं आता कि मुझे नदियों के उद्गम स्थल पर जाना चाहिए। सींगरी नदी के उदगम स्थल पर जब पिछली बार आया था, तब लगा कि जो लोग वर्षो से काम करते है। उनकी हम मदद क्या कर सकते है संकल्प को पूरा कैसे कर सकते है। मैं बड़ी दृढ़ता के साथ कह सकता हूं जो लोग हमारे साथ बैठे है वो लगभग चार दशक से हमारे साथ थे। जब हम पैदल यात्रायें करते थे लोग दूसरे गांव तक जाते थे रोटी खिलाते थे और उसके बाद वो यात्रा पूरी होती थी। वो राजनैतिक यात्रा नहीं होती थी। यात्रा का कुछ उद्देश्य होता था। अब मुझे लगता है यदि हम नर्मदा नदी की धारा देखे तो हर जगह इसका बहाव कम होता दिखाई देगा। ऐसा नहीं है आप उससे परिचित नहीं है। नहरें नहीं होती तो एक बूंद पानी नहीं मिलता लेकिन नहरों से नदी में पानी लाना ये कुछ आपातकालीन परिस्थितियों में तो ठीक हो सकता है। अन्यथा नहरों और नदियों में कोई अंतर नहीं बचेगा। नदी का मतलब होता है खुद के अपने स्त्रोत। हमारे नाले बारहमासी थे, नदियां तो बहुत बड़ी चीज होती है। लेकिन आज सब कुछ सूख रहा है। हम क्या हमारी भूख खत्म नही हो रही है। हमको पानी चाहिए खेत को पानी, घर बैठे पानी चाहिए और मनमर्जी का पानी चाहिए। अगर आप 40 साल पहले हैंडपंप नही होते थे कुएं से पानी लाते थे। एक परिवार तीन-चार घड़े में अपनी जरूरते पूरी करता था। अब आपके पास 400 लीटर पानी होता है तब भी वो कम है। वो भी आपको सीधे अपने घर में चाहिए। और उसके बाद में 24 घंटे में बासा हो गया तो पलट दोगे उपयोग नही करोंगे, वो नाली में जायेगा। मंत्री श्री पटेल ने कुछ उदाहरण देते हुए कहा कि हमें अपने जीवन में पानी का सदुपयोग करना चाहिए।

गोटेगांव विधायक महेन्द्र नागेश ने कहा कि जब तक जनता इस अभियान में भाग नहीं लेगी तब तक सफलता प्रदान नहीं करेंगे। सींगरी नदी पुनर्जीवन का बीड़ा सुनील कोठारी ने यह अभियान उठाया था। पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह ने कहा कि लगभग 50 साल पहले कुएं से सिंचाई होती थी। हमारे देखते- देखते वो भी बंद हो गये। अब ट्यूबवेल से 500 से 600 फुट गड्ढे हो रहे है इसके बाद भी फेल हो रहे है। 50 साल में हमने जो देखा है तो आने वाले 50 साल में क्या होगा। जिस गति के साथ पर्यावरण, जल खेती के हिसाब से ज्यादती कर रहे है। हमारे पूर्वज, पुरखों ने ये काम नहीं किया। हम सबको पानी छोड़कर गये है। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष ज्योति नीलेश काकोड़यिा, रामसनेही पाठक जनप्रतिनिधि व अन्य नागरिक मौजूद थे।

उद्यमियों और किसानों को सीखकर आगे बढ़ने का मिलेगा मौका-मंत्री सिंह

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। परिवहन एवं स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह ने शनिवार को कृषि उपज मंडी के समीप 26 मई को आयोजित होने वाले कृषि उद्योग समागम कार्यक्रम की तैयारियों का अवलोकन किया । इस दौरान उन्होंने कानून व्यवस्था, वीआईपी आगमन, पार्किंग, हैलीपेड, विद्युत, चिकित्सा, मंच, ग्रीन रूम, इन्वेस्टर्स मीट, लोकार्पण व भूमिपूजन, पेयजल, हितलाभ वितरण आदि की अन्य व्यवस्थाओं का अवलोकन किया।

श्री सिंह ने कहा कि उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़, राज्यपाल मंगुभाई पटेल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और अन्य अतिथि कृषि उद्योग समागम कार्यक्रम 26 मई को नरसिंहपुर आयेंगे। किसानों और खासकर उन किसानों के लिए जो खेती के माध्यम से व्यवसाय कर रहे हैं और इंडस्ट्रीज लगा रहे हैं, इस कार्यक्रम के माध्यम से उनको फायदा होगा। उन्नत कृषि, नवीन तकनीक, यंत्रों और तकनीकी मार्गदर्शन प्रदान किया जायेगा। ऐसे लोग जो कृषि आधारित उद्योग लगाना चाह रहे हैं या उस पर काम कर रहे हैं, उन्हें यहां की प्रदर्शनी देखकर और जानकारी लेकर आगे बढ़ने का मौका मिलेगा। यह बड़ा अवसर है। इतिहास में पहली बार नरसिंहपुर जिले में कृषि आधारित कृषि उद्योग समागम कार्यक्रम आयोजित हो रहा है। उन्होंने सभी नागरिकों से 26 मई को उपस्थित होकर इस अवसर का लाभ लेने का आग्रह किया। इस दौरान कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले, पुलिस अधीक्षक श्रीमती मृगाखी डेका सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

मृतक मुरारी साहू की मां ने उपराष्ट्रपति से मिलने के लिये अनुमति मांगी

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। नरसिंहपुर में आगामी 26 मई 2025 को कृषि उद्योग समागम में पधार रहे अतिथि उपराष्ट्रपति जगदीश धनखड़ व प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव से मिलने की अनुमति मृतक मुरारी साहू की मां ने कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक, सहित एसडीएम व कार्यपालिक दंडाधिकारी को आवेदन देकर मिलने की अनुमति मांगी है । श्रीमति सावित्री बाई साहू पति स्व. डब्बल सिंह साहू निवासी ग्राम नोन पिपरिया के द्वारा दिये आवेदन के अनुसार उनके पुत्र मुरारी साहू की मारपीट कर हत्या कर दी गई थी जिसकी सूचना पुलिस थाना गोटेगांव में 10 जुलाई 2024 को उन्होंने स्वयं जाकर की थी, जहां उनकी रिपोर्ट दर्ज नहीं की गई और गोटेगांव पुलिस द्वारा उनके पुत्र मुरारी की मौत को मोटर साईकल दुर्घटना बताकर मामला न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है। इस संबंध में पीडिता सावित्री बाई साहू पूर्व में पुलिस अधीक्षक नरसिहपुर पुलिस महानिरीक्षक जबलपुर एवं पुलिस महानिदेशक पुलिस मुख्यालय भोपाल को आवेदन देकर बेटे मुरारी साहू की मौत की उचित जांच कर दोषियों पर कार्यवाही करने की मांग की गई जिस पर आज तक कोई कार्यवाही नरसिहपुर पुलिस ने नहीं की है। जिससे मजबूर होकर देश के उपराष्ट्रपति व प्रदेश के मुख्यमंत्री के समक्ष न्याय की गुहार लगानी पड़ रही है । पीड़िता ने 26 मई को नरसिहपुर आ रहे कृषि उधोग समागम में उपराष्ट्रपति व मुख्यमंत्री से मिलने व उन्हे आवेदन देने की अनुमति प्रदान करने का निवेदन किया है।

कृषि उद्योग समागम कार्यक्रम की तैयारियां अपने अंतिम चरण पर

60 अधिकारियों को सौंपे गये दायित्व

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। कृषि उद्योग समागम 2025 कार्यक्रम का आयोजन कृषि उपज मंडी के समीप 26 मई से 28 मई तक होने जा रहा है। कार्यक्रम का शुभारंभ उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़, राज्यपाल मंगुभाई पटेल और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की गरिमामयी उपस्थिति में होगा। कार्यक्रम की तैयारियां अपने अंतिम चरण पर है। प्रशासनिक अमला कार्यक्रम की तैयारियों में जुटा हुआ है। लगभग 12

एकड़ भूमि पर कार्यक्रम का आयोजन हो रहा है। यहां 25 हजार से अधिक व्यक्तियों की बैठने की व्यवस्था की गई है। इसके लिए 3 डोम तैयार किये गये है।

कार्यक्रम में मंच से मुख्य अतिथियों द्वारा विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों को हितलाभ भी वितरित किया जायेगा। प्राप्त जानकारी के मुताबिक यहां तकरीबन 250 से अधिक उद्यमियों का आगमन होगा। कार्यक्रम के सफल आयोजन एवं आवश्यक व्यवस्थाओं के लिए कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले ने 60 से अधिक अधिकारियों को 30 कार्यों के लिए दायित्व सौंपे हैं। सम्पूर्ण कार्यक्रम के क्रियान्वयन एवं आवश्यक समन्वयक के लिए सीईओ जिला पंचायत दलीप कुमार को नोडल अधिकारी रहेंगे।

तीन साल पहले निकल गई राशि

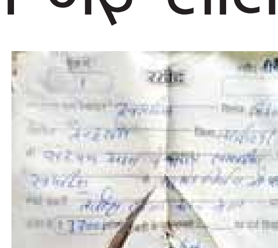

अभी तक नहीं लगे पेबर ब्लाग और नहीं बना पशु शेड

हरिभूमि, तेंदूखेड़ा। एक तरफ जहां शासन ग्रामीण क्षेत्रों के सर्वांगीण विकास को लेकर तरह-तरह की योजनाओं के माध्यम से ग्राम विकास की दिशा में अलग-अलग मदों में पर्याप्त मात्रा में राशि सीधे पंचायतों के खातों में भेज रहा है वहीं दूसरी तरफ कुछ सरपंच अपनी मनमानी पर उतारू बनें हुए हैं।अब इसमें या तो अधिकारियों की मिलीभगत हो या फिर अधिकारी ध्यान नहीं दे रहे हैं। मामला चांवरपाठा विकास के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत खमरिया बरांझ का है जहां पर तीन साल पूर्व यहां के श्मशान घाट में बरसात के दिनों में होने वाली कीचड़ से मुक्ति और सौन्दर्य को लेकर लगभग 64 हजार रुपए की राशि पेबर ब्लाग के लिए निकाले गए थे लेकिन आज तक यहां पर पेबर ब्लाग नहीं लग पाये हैं। और गंभीर आर्थिक अनियमिताएं वाला विषय है। ऐसा ही एक और विषय प्रत्येक गांव में पशु गर्भाधान शेड बनाने के लिए 33 हजार रुपए की राशि पंचायत से आहरित तो हो गई है लेकिन अभी तक शेड नहीं बनाया गया है। इस संबंध में जब पूर्व सरपंच विपिन स्थापक गोलू से चर्चा की गई तो उन्होंने बताया कि हमारे कार्यकाल के दौरान यह राशि काम करने के लिए निकाली ही गई थी कि अचानक पंचायत चुनाव का विगुल बज जाने के कारण विकास काम नहीं होने की स्थिति में पंचायत सचिव को यह राशि वापस करके अलग-अलग राशि की दो रसीदें ले ली गई थी।जो सुरक्षित हमारे पास रखी हुई है। चूंकि जिस मद के लिए राशि आहरित की गई है राशि उसी मद में खर्च होनी चाहिए थी। इन छोटे छोटे विषयों पर मनमानियां हावी है।ना तो ग्राम पंचायत के सदस्य बोल पाते हैं और ना ग्रामीण किसी भी प्रकार का ध्यान दे रहे हैं।जिसका सीधा लाभ मनमानी करने वाले उठा रहें हैं। वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा भी इन गतिविधियों पर ध्यान नहीं दिये जाने की स्थिति में ग्राम पंचायतें भ्रष्टाचार का चारागाह बनती चली जा रही है और शासन के उद्देश्य पूर्ण नही हो पा रहे हैं।

शादी करने गये परिवार के घर ताले टूटे

28 तोला सोना और 14 किलो चांदी ले गए चोर

हरिभूमि, तेंदूखेड़ा। तेंदूखेड़ा थाना अंतर्गत आने वाले ग्राम डोभी में एक शिक्षक परिवार के घर चोरों ने धावा बोलकर 28 तोला सोना और 14 किलो चांदी के जेवरात चुरा कर ले गए हैं। घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार ग्राम के प्रतिष्ठित श्रीमती पुष्पलता टीकाराम पटेल शिक्षक 22 मई को सांईखेडा शादी में गये हुए थे। और 23 मई को शाम छ बजे के लगभग जब वापस लौटकर आये तो बाहर मुख्य दरवाजे का ताला लगा हुआ था लेकिन भीतर के सभी ताले टूटे पड़े हुए सामान बिखरा देख चोरी की अशंका हुई। जिसकी सूचना तेंदूखेड़ा पुलिस थाने में आकर दी। रात्रि में ही पीड़ित पक्ष के साथ मौके पर पहुंची पुलिस ने प्राथमिक कार्यवाही करते हुए दूसरे दिन शनिवार को सुबह डाक स्क्वायड को आने तक रुकी सुबह डाक आने के साथ ही फिंगरप्रिंट की कार्रवाई करते हुए कमरों की पड़ताल की गई। परिजनों ने बताया कि लगभग 28 तोला सोना और 14 किलो चांदी की सामग्री नदारत है। इतना ही नहीं इन्हीं के मकान में एक और शिक्षक परिवार रहता है जो स्कूलों की छुट्टी के चलते सिवनी गये हुए हैं उनके भी कमरें का ताला टूटा पड़ा है। उसमें से भी चोरी की अशंका जताई गई है क्योंकि वहां भी सामन बिखरा पड़ा हुआ था। गौरतलब विषय तो यह बना हुआ है कि चोरों ने अलमारियों के ताले तोड़ने के साथ पलंग पेटियों की बेड सीटों को अलग करके जहां तहां छानबीन करके पूरा सोना चांदी साफ कर दिया है। चोरों को इस विषय की जानकारी रही कि परिवार के लोग शादी में गये हुए हैं और जेबरात कहां कहां हो सकते हैं। फिलहाल पुलिस विवेचना में जुट गई है और अभी कुछ कहने की स्थिति में नहीं है।आजू बाजू के लोगों से पूंछतांछ करने के बाद अन्य सभी विन्दुओं को संज्ञान में लेते हुए जांच पड़ताल में जुट गई है। चूंकि टीकाराम पटेल डोभी के प्रतिष्ठित परिवारों में से हैं।किसानी के साथ पत्नी शिक्षक हैं। पैतृक पृष्ठभूमि भी अच्छी है। परिजनों ने बताया कि सोने की सामग्री में पांचाली पेंडल मोतीलाल कनचिडी कानों के सुईधागा कानों के रिंग ऐयर रिंग झुमकी अंगूठी हार अलग अलग वजनो में सोने की चूडीयां नाक की लोंगे सोने के चूरा के अलावा चांदी के करधन लच्छे पायलें विछिया सहित बड़ी संख्या में सामग्री नदारत है।